जन्ना बनाम जमीरा

12/8/25 पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उपस्थित। बहस प्रा०पत्र सुनी गई। वकील प्रार्थी ने प्रा०पत्र पेश कर निवेदन किया है कि मूल वाद दिनांक 28.11.24 को प्रा०पत्र O6R 17 की कार्यवाही हेतु नियत था। वादी के अभिभाषक अन्य न्यायालय में व्यस्त होने से नियत पेशी को उपस्थित नहीं हो सके तथा वादी को पेशी की जानकारी नहीं होने से हाजिर नहीं हो सके जिससे वादी का वाद अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज कर दिया गया। जबकि वादी उक्त वाद में नियमित पैरोकारी कर रहा है तथा वादी के हित निहित है जिससे दिनांक 28.11.24 को ~~निष्पादित~~ पारित आदेश अपास्त किया जाकर वाद पुनः पुनम्बर पर लिया जाकर सुनवाई का समुचित अवसर दिया जावे।

अप्रार्थी को जरिये नोटिस सूचित किया गया। अप्रार्थीगण की ओर से अभिभाषक उपस्थित होकर वादी के प्रार्थना-पत्र को स्वीकार कर मूल पुनः नम्बर पर लिये जाने पर कोई आपत्ति नहीं होना स्वीकार किया है। न्यायहित में वादी का बावदारी प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाकर मूल वादी का वाद पुनः नम्बर पर लिया जाता है। यह प्रा० पत्र फैसल शुमार होकर मूल वाद के साथ नथी हो।

सहायक कलक्टर (मु.) अजमेर